मनोज कुमार : एक नवयुवक, शिक्षित मशरूम उत्पादक सफल किसान

मनुष्य अगर कुछ करने की ठान ले तो वह असंभव को भी सम्भव बना सकता है। इसकी जीती जागती मिसाल हैं, नवादा जिला के अकबरपुर प्रखण्ड अन्तर्गत डेरमा गाँव के युवा किसान मनोज कुमार। मनोज कुमार कभी ए0एन0 कॉलेज, पटना में बी0एस0सी के छात्र हुआ करते थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद किसी नौकरी की तलाश न कर इन्होंने अपने गाँव में ही अपना भविष्य तलाशा। इन्होंने अपनी गाँव की जमीन पर ही कुछ अलग करने की सोची। सबसे पहले इन्होंने पॉल्ट्री फार्म का व्यवसाय शुरू किया। व्यवसाय तो अच्छा ही चला परन्तु स्थानीय बाजार में दूसरे व्यवसायियों के असहयोगी रवैये से इन्होंने इस क्षेत्र से अपना ध्यान हटा लिया। श्री मनोज कुमार को तो परम्परागत कृषि व्यवसायों से अलग हट कर अपने गाँव में ही कुछ नये ढंग का काम करने की तमन्ना थी। इन्होंने तीन साल पहले मशरूम की खेती प्रारम्भ की। जिसमें शुरू में 20 कि0ग्रा0 बीज (स्पॉन) लगाया तो उत्पादन बहुत ही अच्छा हुआ, परन्तु स्थानीय लोगों के लिए नई चीज होने के कारण उचित बाजार भाव नहीं मिलने के बावजूद इन्होंने मशरूम को 30/– रू0 प्रति कि0ग्राम0 बेचकर 2000/– रू0 का शुद्ध मुनाफा कमाया। मनोज जी ने कुछ दिनों तक इन्होंने इसी तरह से स्थानीय बाजार में मशरूमकी बिक्री कर अपना व्यवसाय को चलाया। फिर एक दिन इन्हें अपने मशरूम को बेचने का नया आइडिया दिमाग में आया। मनोज जी ने बोधगया में प्रतिवर्ष दिसम्बर एवं जनवरी में लगने वाले कालचक्र मेले में अपने मशरूम का स्टॉल लगाया और देखते ही देखते पूरे मेले में इन्होने 125/–रू0 प्रति कि0ग्रा0 की दर से 30 क्विंटल मशरूम बेचकर कुल 2.50 लाख रूपये का शुद्ध मुनाफा कमाकर बाजार की समस्या का खुद समाधान भी खोज लिया। यहाँ से इनका मनोबल बढ़ता गया और इन्होने अपने व्यापार को पूरे वर्ष चलाने के लिए मशरूम कम्पनियों से बातचीत करने के साथ–साथ स्थानीय बाजार में भी जगह तलाशने में जुट गये और इसमे वे सफल भी हुये। इन्होंने "मशरूम वर्ल्ड" से करार किया और मशरूम उत्पादन कर आपूर्त्ति करने लगें। आज इनका मशरूम पूरे नवादा जिला में प्रसिद्ध है।

मनोज कुमार के इस प्रेरणात्मक कार्य के लिए वर्ष 2012 में दैनिक समाचार पत्र "हिन्दुस्तान" ने इन्हें बिहार के 100 नायक के रूप में चयन कर सम्मानित किया। इन्होने "मशरूम अनुसंधान निदेशालय", सोलन (हि0प्र0) से मशरूम बीज बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना मशरूम बीज बनाने में सक्रिय हुये। इस दौरान इन्होंने जिले के अन्य किसानों को प्रशिक्षित कर जागरूक करने का काम भी किया। इनका व्यवसाय अब काफी बड़ा हो चुका था। इसलिए इन्होंने स्पॉन यूनिट लगाने की सोची। इस सोच में ये सफल भी हुये और जिला उद्यान कार्यालय, नवादा के सहयोग से इन्होने मुख्यमंत्री बागवानी मिशन योजना के तहत अनुदानित दर पर "मशरूम स्पॉन लैब" की स्थापना अपने गाँव में की है।

इसके अलावे मनोज कुमार अपने भाई के साथ मिलकर कई उद्यानिक फसलो जैसे मिर्च, टमादर आदि की खेती पॉली हाउस में कर रहे है तथा केला, मधुमक्खी पालन एवं विशेषकर मेन्था की खेती में भी सक्रिय है। इन्होनें मेन्था से तेल निकालने के लिए एक डिस्टीलेशन यूनिट भी लगा रखी है। इनके इस उत्कृष्ट कार्य हेतु कई प्रतिष्ठित गैर सरकारी संस्था जैसे इण्डिया इंटरनेशनल फ्रेन्डशीप सोसायटी, नई दिल्ली एवं इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ने इन्हें

क्रमशः "भारत ज्योति आवर्ड" एवं "बेस्ट सीटीजन्स ऑफ इण्डिया" से सम्मानित किया है। श्री मनोज कुमार ने उच्च शिक्षित नवयुवकों की सोच से अलग हटकर कृषि कार्य को हेय दृष्टि से न देखकर उसे अपने गाँव–क्षेत्र में ही एक व्यवसाय के रूप में अपनाकर सफल हुए हैं। नवादा जिला का यह युवा किसान जिले के शिक्षित बेरोजगार नवयुवकों को स्वावलम्बी बनाने के लिए एक पथ प्रदर्शक के रूप में कई नवोन्मेषी कार्यों को करते हुए आगे बढ़ने को लगातार प्रेरित कर रहे है।

ये युवा किसान नवादा जिले के लिए सही मायने में एक मिसाल है।

B.O.D. INCUBATOR